स्पन्दन

वार्षिक हिन्दी पत्रिका, अंक 11, वर्ष 2025

-संस्थान गान-

‘‘नागपृष्ठ समारूढं शूलहस्तं महाबलम्।
पाताल नायकं देवं वास्तुदेवं नम्याम्ह्यम्।।‘‘

उठो सुनो प्राची से उगते, सूरज की आवाज।
अपना देष बनेगा सारी दुनिया का सरताज।।
श्रद्धा अपरम्पार कि पत्थर में भी प्रीति जगाई।
ताजमहल पर गर्व हमें हैं, जग भी करे बड़ाई।।
उसी प्रेरणा से रच दें, हम फिर से नया समाज।
स्वागत करने को नवयुग का, नया सजाएं साज़।।
मलिन हो गई धरा आज फिर, उसको पुनः सजाएं।
हरित शिल्प से चलो सृजन का, नारा हम दोहराएं।।
सोये आदर्षों को आओ, सब मिल पुनः जगाएं।
नूतन सृजन हो षिव सृजन, दुनिया में पहुँचाएं।।

उठो सुनो प्राची से उगते, सूरज की आवाज।
एस.पी.ए. के छात्र करेंगे, नवयुग का आगाज़।।

-संस्थान गीत-

ढूंढ रहा था, इक नया उजाला,
फिर मिला तू, इस नयी राह में।
तू ही जिन्दगी, तू ही मंजिल,
तू ही हर खुशी, इस दास्तान में।
ये जमीं, ये आसमां,
और सितारे भी हैं अपने साथ।
ये अंधेरा भी टल जायेगा,
कल सवेरा नया लायेगा।।

हर खुशियों में, हर मुश्किल में
हर लबों पे बस एक ही पुकार,
जी उठे... एसपीए, भोपाल।

तेरी दुआ से, कुछ बन जाऊंगा,
तेरे नाम को, मिटने ना दूंगा।
जहां जहां पर, मेरे कदम पड़ेंगे,
वहाँ तेरा फिर, निशाँ दिखेगा।
ये जमीं, ये आसमां,
और सितारे भी हैं अपने साथ।
ये अंधेरा भी टल जायेगा,
कल सवेरा नया लायेगा।

हर खुशियों में, हर मुश्किल में,
हर लबों पे बस एक ही पुकार,
जी उठे ....
एसपीए, भोपाल

अनुक्रमणिका

क्र.	विवरण	प्रष्ट
01	निदेशक संदेश	01
02	प्रशासनिक गतिविधियाँ	02
03	शैक्षणिक गतिविधियाँ	06
04	छात्र गतिविधियाँ	12
05	अभिव्यक्तियाँ	14
06	विजयी प्रतिभागियों के लेख	16

नोट- पत्रिका में प्रकाशित सभी कविताएँ, रेखा चित्र, यात्रा वर्णन, संस्मरण इत्यादि रचनाकार द्वारा रचित उसके स्वयं के विचार दर्शाते हैं न कि संस्थान के तथा अपनी रचनाओं के लिए वह स्वयं उत्तरदायी है।

निदेशक सन्देश

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत एक राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। वर्ष 2008 से हम अकादमिक, अनुसंधान और नवाचार का एक पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं। वास्तुकला, योजना और अभिकल्पन के क्षेत्र में हमारा लक्ष्य आने वाली पीढ़ियों को नये माहौल की उभरती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए मज़बूत बनाना है। संस्थान, युवाओं को उच्च गुणवत्ता के संसाधन और नैतिक मूल्यों के साथ, उनके भविष्य के कार्यों के ज़रिए देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रयासरत है।

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी हमारे संस्थान में राजभाषा ‘‘हिन्दी’’ के प्रोत्साहन स्वरूप हिन्दी पत्रिका ‘‘स्पन्दन‘‘ के ग्यारहवें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिका में संस्थान से जुड़ी प्रशासनिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां प्रकाशित की जा रही हैं। इसके साथ ही साथ विभिन्न आलेख, सृजन साहित्य, कवितायें, संस्मरण एवं संस्थान के कर्मचारियों की अभिव्यक्तियों एवं विचारों का समावेश किया गया है।

मैं इस पत्रिका की निरंतर प्रगति हेतु स्पंदन से जुड़े सभी शिक्षकों, अधिकारियों व कर्मचारियों को शुभकामनायें देता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

प्रो. कैलाश राव एम.
निदेशक
योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

प्रशासनिक गतिविधियाँ

गणतंत्र दिवस का अयोजन

संस्थान परिसर में गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रो. कैलाश राव एम, निदेशक महोदय ने ध्वजा रोहण किया व उपस्थित सभी संकाय सदस्यों, अधिकारीयों, कर्मचारियों तथा संस्थान के सुरक्षा बल ने राष्ट्रीय ध्वज का अभिवंदन किया| संस्थान के छात्रों एवं संस्थान में निवासरत कर्मचारीगण के बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुती दी जिनमें गीत, भाषण, नृत्य, आदि शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अंतर्गत संस्थान में योग शिविर के आयोजन

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान परिसर में दिनांक 21 जून 2025 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया

गया | यह आयोजन दिनांक 13 जून से प्रारम्भ होकर 21 जून तक चला| संस्थान परिसर में निवासरत कर्मचारियों ने उक्त आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज की | प्रशिक्षक के रूप में विवेकानंद योग केंद्र कन्याकुमारी की भोपाल शाखा के प्रशिक्षकों को योग अभ्यास हेतु आमंत्रित किया गया था| कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर संस्थान के निदेशक प्रो. कैलाश राव एम. ने सभी का स्वागत किया| प्रशिक्षकों द्वारा शिविर में योग अभ्यास कराया गया व योग के लाभ और योग के प्रति जागरूकता हेतु व्याख्यान भी दिया गया। संस्थान में कार्यरत समस्त अधिकारी, कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं ने योग, प्राणायाम आदि का अभ्यास सीखा एवं दैनिक जीवन में योग करने हेतु प्रेरित हुए |

पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 25 जून 2025 को संस्थान परिसर के सतपुरा ब्लाक में पौधारोपण किया गया | इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री संकेत भोंडवे आई. ए. एस. कमिशनर, यू.ए.डी.डी. मध्य प्रदेश को आमंत्रित किया गया था|

एस.पी.ए. भोपाल में कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन

संस्थान परिसर में दिनांक 16 अप्रैल 2025 को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न के रोकथाम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया | कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूम में श्रीमति प्रीति खरे, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित कार्यकारी नेतृत्व कोच और इनबेलेंस के सह संस्थापक को आमंत्रित किया गया था| उक्त कार्यशाला में संस्थान के संकाय सदस्यों व कर्मचारियों ने भाग लिया व रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 को समझा|

स्वतंत्रता दिवस समारोह

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान परिसर में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। एसपीए भोपाल के निदेशक प्रो. कैलाश राव एम. ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों की सभा को संबोधित किया। अपने प्रेरक भाषण में, उन्होंने एसपीए भोपाल परिवार के सभी सदस्यों से संस्थान को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सभी हितधारकों के सामूहिक प्रयासों को बनाए रखने का आग्रह किया।

हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन

संस्थान परिसर में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 04 से 19 सितम्बर 2025 के मध्य बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ 8 सितम्बर को किया गया| संस्थान के राजभाषा विभाग के इस आयोजन में हिन्दी भाषा के ज्ञान के संवर्धन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु कर्मचारियों एवं छात्र छात्राओं की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जैसे, 'प्रशस्ति पत्र अभिकल्पन, निबंध लेखन, स्वरचित कविता पाठ, गजल एवं भजन, जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में संस्थान के लगभग 150 संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने अपनी सहभागिता दर्ज की। जिनमें से 41 प्रतिभागियों को पुरूस्कार प्रदान किये गये। हिंदी पखवाड़े के समापन में प्रभारी निदेशक प्रो. रमा पाण्डे एवं संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) प्रो. निखिल रंजन मण्डल उपस्थित थे । समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संदीप द्विवेदी, प्रख्यात कवि एवं साहित्यकार तथा मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. अवधेश कुमार त्रिपाठी, प्राध्यापक एवं साहित्यकार, अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल, आमंत्रित किये गए थे| विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार प्रदान किये गये।

स्वच्छता पखवाड़ा

एसपीए भोपाल में दिनांक 15 – 30 सितम्बर 2025 के मध्य स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया| शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार 'प्रमुख उद्देश्य के तहत, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल ने परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इसका द्रष्टिकोण सभी विभागों में स्वच्छता गतिविधियों को मुख्यधारा में लाना था | तथा आस-पास के गांवों में भी इसे लागू करना था। पखवाड़े के दौरान स्वच्छता से जुड़ी गतिविधियों में नवीन तरीकों को अपनाया गया और उन्हें मुख्यधारा में लाया गया| संस्थान द्वारा की जाने वाली सामाजिक गतिविधियों में लोगों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया गया |

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत समीप के ग्राम - बरखेड़ा सालम के विद्यालय में जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें नुक्कड़ नाटक, दीवारों पर स्वच्छता जागरूकता बढ़ने हेतु दीवार पेंटिंग अथवा कम्बल वितरण भी किया गया ।

दीवार पेंटिंग

स्वच्छता पखवाड़ा के बारे में जागरूकता और महत्व पैदा करने के लिए एसपीए, भोपाल के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक खेला गया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

स्मारकीय विरासत वास्तुकला पर एक प्रदर्शनी का आयोजन

संस्थान परिसर में भारतीय प्रायद्वीप के पुरातात्विक और ऐतिहासिक काल की स्मारकीय विरासत वास्तुकला पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया| इस प्रदर्शनी में वास्तुकला के प्रथम वर्ष के छात्रों ने हिस्सा लिया| संस्थान के सभी संकाय एवं सक्षम प्राधिकारियों ने इन युवाओं द्वारा किए गए काम का अनुभव कर उन्हें उनके प्रयासों में प्रोत्साहित किया|

एसपीए भोपाल में "ब्लू ग्रीन प्रकृति आधारित समाधानों पर" कार्यशाला का आयोजन

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, भोपाल में जलवायु रेज्यिलेंट योजना के लिए ब्लू ग्रीन प्रकृति आधारित समाधानों पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसका आयोजन पर्यावरण नियोजन विभाग ने यूनिसेफ और जीआईजेड इंडिया के सहयोग से किया था। जीआईजेड दिल्ली के वरिष्ठ सलाहकार कीर्तिमान अवस्थी ने कार्यशाला के प्रतिभागियों को जैव विविधता और जलवायु संरक्षण के आर्द्रभूमि प्रबंधन पर बात की। जीआईजेड के सलाहकार और विशेषज्ञ शांभवी कृष्णा, कुणाल भारत और ज्योति कश्यप ने नियोजन और वास्तुकला विद्यालय के प्रतिभागियों और छात्रों को जलवायु रेज्यिलेंट योजनाओं को तैयार करने के लिए उपकरणों और तकनीकों पर मार्गदर्शन दिया और आर्द्रभूमि और वन पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं, आर्द्रभूमि के संरक्षण के लिए परिदृश्य योजना के लिए भागीदारी दृष्टिकोण पर पूरे देश से अनुभव साझा किए। वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया के निदेशक रितेश कुमार ने जिला आपदा प्रबंधन योजना के लिए प्रकृति आधारित समाधान के रूप में वेटलैंड्स को एकीकृत करने के महत्व पर बात की। भोपाल के योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल के भू परिद्रश्य विभाग की प्रमुख प्रोफेसर रमा पांडे ने कार्यशाला का समन्वय किया और बताया कि कैसे यह सीख छात्रों को जलवायु अनुकूल योजना पर अपने काम को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

वास्तु शास्त्र: आवास के डिजाइन के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण पर 5 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन

संस्थान परिसर में वास्तु शास्त्र: आवास के डिजाइन के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण पर दिनांक 3 से 7 जनवरी 2025, 5 दिवसीय सर्टिफिकेट कोर्स आयोजन किया गया| वास्तु शास्त्र में सर्टिफिकेट कोर्स हमारे प्राचीन शास्त्रों के महत्व, वैधता और व्यावहारिक अनुप्रयोग को उजागर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसने भारतीय वास्तुकला को गहराई से प्रभावित किया है। वास्तु शिल्प शास्त्र, स्थापत्य वेद (यजुर्वेद का एक भाग) से लिया गया है, जिसका अभ्यास वास्तुकारों और गैर-वास्तुकारों दोनों द्वारा व्यापक रूप से किया जाता रहा है, अपने समृद्ध इतिहास के बावजूद, वास्तु शास्त्र के सिद्धांतों को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। 19वीं और 20वीं शताब्दी की शुरुआत में, पश्चिमी शिक्षा के उदय ने वैदिक परंपराओं के पालन में गिरावट ला दी, कई लोगों ने उन्हें अंधविश्वास के रूप में खारिज कर दिया। हालाँकि, 20वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में, रुचि में पुनरुत्थान हुआ है। पश्चिमी शिक्षा के आलोचनात्मक दृष्टिकोण से प्रभावित विद्वानों और नई पीढ़ियों ने प्राचीन भारतीय ज्ञान के मूल्य को फिर से खोजा है। यह नई मान्यता आधुनिक वास्तुशिल्प डिजाइन में वास्तु शास्त्र की प्रासंगिकता को फिर से स्थापित करने में मदद कर रही है।

इसलिए, यह पाठ्यक्रम हमारे प्राचीन शास्त्रों की गहरी समझ प्रदान करता है, समकालीन डिजाइन और निर्माण में उनके व्यावहारिक निहितार्थ, और कैसे ये कालातीत सिद्धांत आधुनिक रहने की जगहों को बढ़ा सकते हैं|

ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर राष्ट्रीय कार्यशाला

एसपीए, भोपाल में पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से ग्राम पंचायत स्थानिक विकास योजना पर 17-18 जुलाई 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई| उक्त कार्यशाला में देश के सभी शैक्षणिक संस्थानों के कर्मचारियों, विशेषज्ञों एवं सरकारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया | उक्त कार्यशाला कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में आयोजित की गई।

रक्तदान शिविर

संस्थान परिसर में 18.9.2025 को प्रिशा क्लब, द्वारा भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (बीएमएचआरसी) के साथ मिलकर रक्त दान शिविर आयोजित किया गया संस्थान के अधिकारीयों, कर्मचारियों, छात्र छात्राओं ने बिना स्वार्थ के रक्त दान किया। हर रक्त दान उम्मीद की एक किरण है, जो थैलेसीमिया के मरीज़ों, गैस पीड़ितों, कैंसर के मरीज़ों और ज़रूरी बोन मैरो ट्रीटमेंट से गुज़र रहे लोगों के लिए एक जीवन रेखा देता है।

मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज़ पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान परिसर दिनांक 22-26 सितंबर, 2025 के मध्य भवन अभियांत्रिकी प्रबंधन विभाग द्वारा मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज़ पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया| उक्त प्रशिक्षण का विषय *"एडवांसमेंट्स इन द आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग, एंड कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्री एंड रेट्रोफिटिंग ऑफ बिल्डिंग्स"* था| इस कार्यक्रम में देश भर से 25 एमईएस अधिकारी शामिल हुए।

पीएमएवाय ग्रामीण समर इंटर्नशिप की प्रदर्शनी और समापन कार्यक्रम

14 अगस्त 2025 को एसपीए, भोपाल कैंपस में इंटर्न द्वारा किए गए समर इंटर्नशिप के काम पीएमएवाय ग्रामीण के अंतर्गत एक प्रदर्शनी और समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कैंपस में 299 इंटर्न शामिल हुए और 119 इंटर्न ऑनलाइन जुड़े। कार्यक्रम का उद्घाटन मिशन डायरेक्टर, पीएमएवाय ग्रामीण, मध्य प्रदेश सरकार, श्री दिनेश जैन आईएएस, और निदेशक, एसपीए भोपाल, प्रो. कैलाश राव एम. ने किया। पीएमएवाय-जी मिशन निदेशालय की टीम और एसपीए भोपाल के प्राध्यापकों ने मिलकर इंटर्न द्वारा बनाए गए पोस्टरों की प्रदर्शनी देखी और दस्तावेज़ में किए गए विस्तृत और सावधानीपूर्वक काम की सराहना की। प्रदर्शनी का अवलोकन संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया| प्रोजेक्ट की को- पीआई और शहरी और क्षेत्रीय योजना विभाग की प्रमुख डॉ. शिउली मित्रा ने उद्घाटन प्रस्तुति में समर इंटर्नशिप का एक अवलोकन प्रस्तुत किया, जिसमें 6000 से अधिक घरों की टाइपोलॉजी का दस्तावेज़ीकरण किया गया है। मुख्य अतिथि, श्री दिनेश जैन (आईएएस) ने पीएमएवाय-जी मिशन को आगे बढ़ाने में स्वदेशी आवासों के व्यापक दस्तावेज़ीकरण की इस तरह की पहल पर प्रकाश डाला। मुख्य व्याख्यान प्रो. कैलाश राव एम., निदेशक, एसपीए भोपाल ने दिया, जहाँ उन्होंने ग्रामीण जीवन शैली, संस्कृति, कारीगरी और निर्माण तकनीक से सीखने के महत्व पर ज़ोर दिया।

भवन अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन का आयोजन एसपीए भोपाल में

एसपीए भोपाल, में 3 एवं 4 नवंबर, 2025 को भवन अभियांत्रिकी एवं प्रबंधन पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित किया गया। सम्मलेन में भवन अभियांत्रिकी में आधुनिक तरीके,

निर्माण प्रबंधन अभ्यास में प्रगति, टिकाऊ डिजाइन और निर्माण अभ्यास, शहरी बुनियादी संरचना की परियोजनाओं पर चुनौतियां और प्रबंधन नवाचार, इत्यादि विषयों पर विशेष चर्चा की गई|

उक्त कार्यक्रम में प्रो. एच डी चारण, अध्यक्ष, शासी मण्डल (मुख्य अतिथि), प्रो. कैलाश राव एम. निदेशक, प्रो. वी.के. पॉल, डायरेक्टर, एसपीए दिल्ली, प्रो. रमेश श्री कोंडा, निदेशक, एसपीए विजयवाड़ा सम्मिलित हुए |

डिज़ाइन एप्रिसिएशन अवार्ड 2025

इन्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स (आईआईए), भोपाल सेंटर द्वारा आयोजित "डिज़ाइन एप्रिसिएशन आवार्ड 2025", वह पुरस्कार हैं जो वास्तुविद को आवास, भू निर्माण, वाणिज्यिक भवनों और वास्तुकला के संबद्ध क्षेत्रों सहित विभिन्न श्रेणियों में उनके उत्कृष्ट योगदान और अनुकरणीय परियोजनाओं से संबंधित है।

इस कार्यक्रम में शैक्षणिक श्रेणी में "बेस्ट आर्किटेक्चर डिज़ाइन रिसर्च के लिए डॉ. संदीप संकट एवं आर्कि. गरिमा ताम्रकर को पुरस्कार प्राप्त हुआ|

एयरपोर्ट डिज़ाइन, प्लानिंग और मैनेजमेंट पर 14 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

एसपीए भोपाल के परिवहन योजना विभाग ने दिनांक 11 दिसंबर 2025 से "एयरपोर्ट डिज़ाइन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट" पर 14 दिन का ऑनलाइन कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया |

एसपीए भोपाल में "सतत जीवन शैली एवं जलवायु अनुकूल निर्माण अभिकल्पना एवं योजना" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।

एसपीए भोपाल में दिनांक 7 एवं 8 नवम्बर 2025 को "सतत जीवन शैली एवं जलवायु अनुकूल निर्माण अभिकल्पना एवं योजना" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान, विभिन्न विषयों पर पैनल चर्चा के छह सत्र आयोजित किए गए।

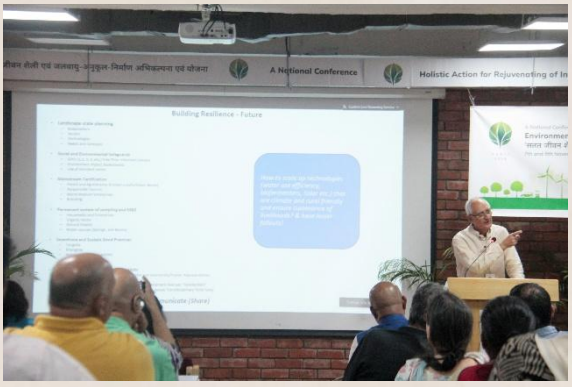

सम्मलेन में विशेषज्ञ पद्मश्री श्री महेश शर्मा, पर्यावरण संरक्षणवादी और सामाजिक कार्यकर्ता,पद्मश्री डॉ. जनक पाल्टा मैकगिलिगन, संस्थापक-निदेशक, जिमी मैकगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, इंदौर, डॉ. प्रसाद देवधर, भागीरथ ग्राम विकास प्रतिष्ठान, गोवा के संस्थापक, डॉ. एस. विश्वनाथ, बायोम एनवायर्नमेंटल ट्रस्ट, वाटर विजडम, प्रो. (डॉ.) चित्ररेखा काबरे, प्रोफेसर, वास्तुकला विभाग, एसपीए दिल्ली, सुश्री सुरभि तोमर, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, आर्किटेक्ट. हबीब खान, अध्यक्ष, शासी मण्डल, एसपीए दिल्ली, सुश्री आर्य चावड़ा, लेखिका, चित्रकार, वक्ता, पर्यावरण कार्यकर्ता, आर्किटेक्ट संदीप विरमानी, आर्किटेक्ट अमोघ कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, शासी मण्डल, एसपीए विजयवाड़ा, डॉ. अंशू शर्मा, डॉ. राजन कोटरू, मुख्य तकनीकी सलाहकार, इंडो-जर्मन कार्यक्रम, आर्किटेक्ट कृति ढींगरा, प्रिंसिपल आर्किटेक्ट, संश्रया डिज़ाइन स्टूडियो, धर्मशाला आर्किटेक्ट संजीव शंकर, उपस्थित हुए थे जिन्होंने इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मलेन में अपने अनुभव साझा किये।

श्री गोपाल आर्य, राष्ट्रीय संयोजक, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, समापन सत्र के मुख्य अतिथि थे और प्रो. कैलाश राव एम., निदेशक एसपीए भोपाल ने सम्मेलन को संबोधित किया । सम्मेलन समन्वयक प्रो. रमा उमेश पांडे ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

छात्र गतिविधियाँ

लोहरी उत्सव

संस्थान परिसर में 12 एवं 13 जनवरी को छात्र परिषद् द्वारा लोहरी उत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया | छात्रों ने इस अवसर पर नृत्य एवं ढोल के साथ संस्थान परिवार के सभी सदस्यों को आमंत्रित किया| तथा पूरे उत्साह के साथ शीतकालीन संक्रांति के अंत का जश्न मनाने और आने वाले उज्ज्वल दिनों का स्वागत किया|

बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन

संस्थान का बैडमिंटन क्लब द्वारा 23 से 25 जनवरी 2025 तक मिश्रित युगल बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, उक्त आयोजन में संस्थान के सभी छात्रों एवं कर्मचारियों को भाग लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया |

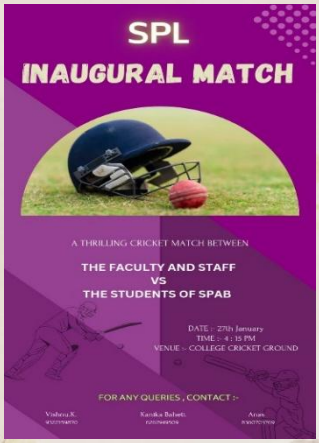

एसपीएल (स्पार्टन्स प्रीमियर लीग) क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

दिनांक 27 जनवरी 2025 को संस्थान परिसर में एसपीएल (स्पार्टन्स प्रीमियर लीग) एक रोमांचक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया जिसमें एसपीएबी कॉलेज के संकाय और कर्मचारियों बनाम छात्रों के बीच मुकाबला हुआ|

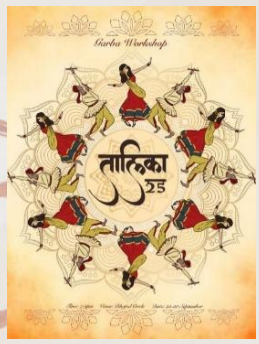

गरबा महोत्सव

संस्थान के छात्रों द्वारा नवरात्रि महोत्सव पर गरबा नृत्य का आयोजन किया गया |

रामलीला

एसपीए भोपाल के छात्रों ने नवरात्रि पर्व के दौरान संस्थान परिसर के छात्रावास महाकौशल के प्रांगण में भगवान राम की महान कहानी को जीवंत करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम रामलीला का आयोजन किया |

कलरव

संस्थान परिसर में नये छात्रों का स्वागत समारोह “कलरव” 1 नवंबर 2025 को आयोजित किया गया|

अभिव्यक्तियाँ

कविताएँ

कृष्ण दर्पण

सांवला सलोना है वो, झील सी आँखों वाला ;
गोकुल में रहता है, एक नन्हा सा ग्वाला |

मैया की आँखों का तारा, नन्द का दुलारा;
कान्हा कान्हा बोले उसको, प्यार से गोकुल सारा |

माखन उसको अति प्रिय है, खाये भर-भर मुट्ठी;
ग्वालन सारी परेशान है, फोड़े सबकी मटकी |

नटखट -चंचल-मोहक- श्यामल, उसकी प्यारी काया;
उसे प्रिय है यमुना का तट, और कदम्ब की छाया |

बनसी बजाएं, नाच नचाये, गोपियों के संग रास रचाये;
अपनी अदभुत लीलाओं से, वो सबको मोहित कर जाये |

काल बने वो सब असुरों का, मार गिराऐ सबको;
उठा लिया छोटी उंगली पर, गोवर्धन पर्वत को |

राधा के वो माधव-मोहन, प्रेम के उनके पूरक;
रुक्मणी के स्वामी-वल्लभ, केशव ही संपूरक |

साथ रहो ओ कान्हा मेरे, अब तेरा ही सहारा;
मुरली-मनोहर, श्याम-सलोना, कान्हा सबका प्यारा |

स्वप्निल लौवंशी
(कनिष्ठ सहायक)

डर

डर लगता है मुझे,
हां डर लगता है मुझे,
कि खड़ा हूं मैं जैसे एक सुनसान सड़क पर,
भीड़ में भी हूं मैं अकेला,
डर लगता है मुझे!

हां डर लगता है मुझे,
के जैसे देख रहा है कोई दूर से बस मुझे एक टक,
कि कहीं खो ना जाऊं मैं उसकी नजरों से,
डर लगता है मुझे!

हां डर लगता है मुझे,
उन चेहरों से जो होते हैं साथ मेरे,
पर दिखते नहीं आईने में,
डर लगता है मुझे!

सुनील कुमार जायसवाल
(हिन्दी सहायक)

माँ की पसंद

मेरी माँ की पसंद बड़ी प्यारी है,
वो जो भी कहती है मैंने हर बात उसकी मानी है |
बचपन की फ्राक से लेकर उसके जमाई तक,
मेरी माँ की पसंद ही मुझे भायी है |
मै जाती थी जब उसकी माँ के घर छुट्टियों में,
वो देती थी हज़ार सीख मेरी मुठ्ठियों में,
आज वही माँ मेरे घर आई है |
सोचती हूँ .... माँ की पसंद का कुछ बनाऊँ,
वो मेरी पसंद का ध्यान रखा करती थी,
आज क्यों न ....मैं उसकी मां बन जाऊं |
क्या पसंद होगा माँ को कैसे खुद को याद दिलाऊँ,
अब तो वो खुद भूल गई है क्योंकि नानी जो बन गयी है |
हाँ ... बाजरे की रोटी, रबड़ी, गुड़ का चूरमा
सर्दी में बड़े प्रेम से खाती थी मेरी माँ |
गर्मी में छाछ और सत्तू,
पर शिंकजी से रहती थी दूर-दूर,
त्यौहार आये तो वो पूड़ी का हलवा और खीर,
मेरी माँ की माँ बनाती थी भर-भर के परात |
जब कभी घर में साग नहीं बचता था,
उसे रोटी से दूध ही जंचता था,
बड़े दिनों बाद माँ मेरे घर आई है |

रेनू पाठक
(पुस्तकालय सहायक)

विजयी प्रतिभागियों के लेख

निबंध

मानव जीवन में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

सभ्य समाज में मानव ने जब से प्रवेश किया मानव जीवन पर लगातार उसके द्वारा किए गए अविष्कारों का गहन प्रभाव पड़ता रहा है।

अविष्कारों के इसी क्रम में इंटरनेट का अविष्कार मानव जीवन के लिए इस शताब्दी में एक महत्वपूर्ण एवं निर्णायक पड़ाव रहा है। इंटरनेट के अविष्कार ने सारी दुनिया को एक छोटे से गांव में बदल दिया है] इंटरनेट के माध्यम विभिन्न क्षेत्रों में अल्प एवं अतिमहत्वपूर्ण बदलाव हुए, इसी बदलावों के क्रम में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है मीडिया में, परंपरागत मीडिया के साधनों जैसे अखबार टेलीविज़न के पास खबर या समाचार का सूक्ष्म एवं बारीक अध्ययन करने की क्षमता एवं बढ़े पैमाने पर आम लोगों के विचार जानने की ताकत सीमित हो रही थी। परंतु इंटरनेट के माध्यम से आए हुए सोशल मीडिया ने इसे तोड़ दिया।

टेलीकम्यूनिकेशन रेग्यूलेशन अथारिटी ऑफ़ इंडिया (टीआरएआई) की एक महत्वूपर्ण सर्वे के अनुसार 2025 तक भारत में 90 करोड़ इंटरनेट उपयोगकर्ता होंगे। निश्चित ही इनमें अधिकतर उपयोगकर्ता सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म एवं एप्स का प्रयोग करते होंगे। सोशल मीडिया के इस प्रयोग से मानव जीवन को हर क्षेत्र में प्रभावित किया है।

सोशल मीडिया का मानव जीवन के आर्थिक पक्ष पर प्रभाव

सोशल मीडिया के विभिन्न एप्स के माध्यम से आज लोग कमेंट क्रियेटर्स बने एवं अपने विचारों को साझा कर अपने फालोअर्स बढ़ाकर, अपनी आय कमा रहे हैं जिससे कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने एवं आय प्राप्त करने का अवसर प्राप्त हुआ है। आज सोशल मीडिया पर कई ऐसे व्यक्तित्व हैं जो सोशल मीडिया प्लेटफार्म से पहले अंजाने चेहरे थे। पर आज लाखों प्रशंसक हैं। लगभग सभी एप्स अपने क्रिएटर्स को अपनी आय में से कुछ हिस्सा उनके साथ साझा कर रहे हैं जिससे उनकी आय बढ़ी है।

सोशल मीडिया का मानव जीवन के सामाजिक पक्ष पर प्रभाव

सोशल मीडिया का मानव के सामाजिक जीवन पर भी गहरा प्रभाव देखने को मिल रहा है। आज सोशल मीडिया के माध्यम से तत्काल किसी भी खबर को चाहे वो राजनैतिक हो, आर्थिक हो या कोई और का विशलेषण प्राप्त हो जाता है वर्तमान में प्रत्येक देश के प्रमुख राजनैतिक एवं सामाजिक हस्तियाँ सोशल मीडिया के माध्यम से ही जनता को अपने निर्णय बता रही हैं जिससे प्रत्येक नागरिक आज हर एक निर्णय के लाभ और हानि का विष्लेशण करने एवं उसका प्रभाव जानने में सक्षम हुआ है।

ताजा उदाहरण नेपाल का है जहाँ का प्रत्येक नागरिक आज सड़क पर है और आंदोलन कर रहा है। इस आन्दोलन का आहवान सोशल मीडिया के प्रतिबंध के विरूद्ध में शुरू हुआ एवं वहां के उच्चतम पदस्थ हस्तियों को देश छोड़कर जाना पड़ा| नेपाल, बांग्लादेश श्रीलंका ही नहीं यूरोप के भी कई राष्ट्रों में सोशल मीडिया के माध्यम से ही यदा कदा आंदोलन हो रहे हैं। अतः सोशल मीडिया का गहरा प्रभाव मानव के सामाजिक जीवन पर पड़ रहा है।

सोशल मीडिया का मानव जीवन के सांस्कृतिक पक्ष पर प्रभाव: सोशल मीडिया ने भारत के सांस्कृतिक पक्ष पर भी गहरा प्रभाव डाला है। आप प्रत्येक पर्व, त्यौहार एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन के बारे में आम लोग सोशल मीडिया के माध्यम से ही जानकारी का आदान -प्रदान कर रहे हैं। जो बच्चे, बूढ़े, जवान सभी इन जानकारियों के माध्यम से अपनी संस्कृति एवं अपनी परम्पराओं के बारे में जान रहे हैं।

अतः सोशल मीडिया में पूर्णतः मानव जीवन को प्रभावित किया है मानव जीवन का प्रत्येक पक्ष सोशल मीडिया से प्रभावित हो रहा है।

कुश श्रीवास्तव
प्रथम स्थान, निबंध लेखन
हिन्दी पखवाड़ा 2025

मानव जीवन में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

सोशल मीडिया: आज के युग में अगर हम सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं कि अगर बात करें तो भोजन, पानी, मकान के अलावा अगर कोई आवश्यकता है तो वह है - इंटरनेट व सोशल मीडिया|

सोशल मीडिया शब्द का अगर विच्छेद किया जाए तो हम इसे सामाजिक मीडिया या किसी इलेक्ट्रानिक उपकरण वर्तमान परिपेक्ष्य में सोशल मीडिया द्वारा हम अपने एक उच्चतम शैक्षणिक स्तर को प्राप्त कर सकते हैं। यह शब्द मन में आते ही कभी-कभी ऐसा लगता है जैसे इसमें बस समय की बर्बादी है| परन्तु इन सोशल मीडिया का अगर सहीं इस्तेमाल किय जाए तो हम अपने जीवन काल को चाहे वह पढ़ाई हो रोजगार हो या किसी बढ़े उपलब्धी हो, आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

सोशल मीडिया के लाभ

1. उच्चतम व कम खर्च में शिक्षा|
2. आसानी से व कहीं भी कभी भी उपयोगी है|
3. स्वरोजगार|
4. उपयोग करने में बहुत ही आसान|
5. शिक्षा क्षेत्र में विद्यार्थियों के लिए व शिक्षकों के लिए विश्वसनीय योगदान

सोशल मीडिया से हानि

1. बिना विद्युतिय उपकरणों से उपयोग करना असम्भव|
2. बिना नियमों के उपयोग किया जाए तो इसके गम्भीर कुप्रभाव सामने आयेंगे|
3. बहुत ही कम समय में पूरे विश्व में इसकी पहूंच है इसलिए अगर हम कोई सूचना या चलचित्र साझा कर रहे है तो यह समझना चाहिए कि सही है या गलत|
4. सही उपयोग ना हो तो समय की बर्बादी|
5. सही उपयोग ना हो तो कानूनी कार्यवाही भी संभव है|

आज के समय दैनिक जीवन में उपयोग की जाने वाली कुछ सोशल मीडिया माध्यम है

1. एक्स (ट्विटर)
2. ई-मेल
3. यू-ट्यूब
4. टेलीग्राम
5. गूगल मीट
6. फेसबुक
7. जूम आदि

ऊपर बताए गए माध्यमों में से सभी आज के युग की अत्यंत महत्वपूर्ण व घरेलू उपयोगी माध्यम है| जिनमें की मानव अपने जीवन में पढ़ाई से लेकर अपनी दैनिक दिनचर्चा जैसे कि अपने आफिस या सरकारी कार्यालय सभी जगह इनके माध्यम से ही सूचनाओं का आदान प्रदान करता है।

वर्तमान समय में ई-मेल पूर्ण रूप से सरकारी कार्यों के लिए एक अत्यंत उपयोग व सरल माध्यम हो गया है] जैसे कि किसी दो देशो के प्रधानमंत्रियों की बातें हों या किसी सरकारी कार्यालय में किसी आर्डर पर कार्य करना हो, सभी कार्य ई - मेल द्वारा ही किये जाते हैं।

ठीक इसी प्रकार यू-ट्यूब जैसे माध्यम आज बहुत ही कम पैसें में आसानी से विद्यार्थियों व शोधार्थियों को उच्चत्तम क्वलिटी की वीडिओ उपलब्ध कराई जा रही है। इस युग मे बिना सोशल मीडिया के हम जीवन निर्वाह में अनेक कठिनाईयों का सामना कर सकते हैं।

निष्कर्ष: वर्तमान समय में सोशल मीडिया की जितनी ज्यादा उपयोगिता अच्छे कार्यों के लिए है उतनी ही ज्यादा बुरे कार्यों के लिये भी इसकी भूमिका है। उदाहरण के तौर पर हम हाल ही में चल रहे तख्तापलट जो कि नेपाल में हो रहा है उसे जीवंत उदाहरण तौर पर देख सकते हैं यह तख्तापलट सोशल मीडिया के निरंकुश उपयोग को लेकर ही उत्पन्न हुआ और अंत में पूरे देश के राजनीतिक उलटफेर का कारण बना।

अतः मैं आपका ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि सोशल मीडिया जीवन का अभिन्न भाग है परन्तु अपनी सीमा में रहकर ही इसका उपयोग किया जाए।

धन्यवाद

विप्लव पातर
द्वितीय स्थान, निबंध लेखन
हिन्दी पखवाड़ा 2025

हमारे भविष्य को तैयार करने में संस्कारों एवं शिक्षा की भूमिका

विषय परिचय/प्रस्तावना:- मनुष्य/व्यक्ति का चरित्र/संस्कार उसके व्यवहार/ बोलचार से झलकता है यह वाक्य इस विषय के बारे में लिखे के लिए बढ़िया है। मानव जब सभ्य नहीं था अर्थात कुछ हजारों वर्षों पहले जब न तो पका भोजन, न वस्त्र, न भाषा आती थी, तब सभ्यता का नाम भी नहीं था| तब थी तो बस मानव देह और बुद्धि जिसका विकास, अभ्यास, आवश्यकता आदि के कारण हुआ और जीवन जीने के ढंग में सकारात्मक बदलाव आए, यहीं से शिक्षा सम्यता की नींव रखी गई होगी| धीरे-धीरे सभ्यताएं बनी-बिगड़ी, एक-दूसरे से बेहतर समाज बना, उसके तौर तरीके बने, संस्कृति बनी, नैतिकता का उद्भव/ शिक्षा /ज्ञान की आवश्यकता भी लगी।

अब भविष्य अच्छा हो इसके प्रयास वर्तमान में ही करने हेाते हैं और यही बुद्धिमानी भी है तभी हम हमारे आने वाली पीढ़ी में हमारे पारिवारिक, सामाजिक, मानसिक संस्कारों के बीज रोपित करते हैं। समय-समय पर अनुशासन, प्रेम, प्रोत्साहन, के खाद-पानी से पोषित कर रहे हैं| हम अपने में भी विभिन्न प्रकार के सकारात्मक बदलाव करते रहते हैं| जो भविष्य और वर्तमान में हमारे लिए लाभ दायक सिद्ध होंगे। मानव जीवन में वर्तमान और भविष्य दोनों में ही शिक्षा व संस्कारों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

शिक्षाः मानव जीवन में शिक्षा बहुत ही महत्वपूर्ण स्तंभ है जिस मानव की आजीविका, बौद्धिकता, सोच-नजरिया सुदृढ़ होता है, वह परिवार का भरण पोषण कर सकता है अच्छा जीवन जी सकता है सुख सुविधा के साधन जुटा सकता है समाज, राष्ट्र की उन्नति में योगदान दे सकता है। विज्ञान, कला आदि जिस प्रकार की भी शिक्षा व्यक्ति ने ली ये उसका लाभ वह स्वयं परिवार, समाज, राष्ट्र व मानव मात्र के जीवन को उन्नति प्रदान कर सकता है।

संस्कारः संस्कार से आजीविका तो नहीं चल सकती परंतु जीवन बड़े ही सुंदर ढंग से जिया जा सकता है बिल्कुल उसी प्रकार जिस प्रकार एक सुंदर से चुनरी पर सुंदर सी कलाकृति को टाक दिया गया हो, गोटे की किनारी और सितारे लगे हो। संस्कार के लिए कोई डिग्री नहीं ले सकते ये तो हमारे परिवार के वातावरण, व्यवहार, संगति आदि से ही हमारे अंदर स्वतः आ जाते हैं। जो हमारे चरित्र व बुद्धि को उज्जवल करते हैं।

शिक्षा व संस्कार का आपस में तालमेल: शिक्षा व संस्कार आपस में अलग-अलग हैं पर ये एक दूसरे के पूरक हैं, शिक्षा के बिना मानव पशु समान है परंतु संस्कार न हो तो वह पशु/ मानव राक्षसी भी हो सकता है। शिक्षा न हो

तो आजीविका/जीवन कठिन हो सकता है परंतु संस्कार बिना जीवन अंधकारमय है किसी एक के न होने पर जीवन का संदर रूप नहीं देख पाएंगे इसीलिए शिक्षा व संस्कार एक दूसरे के पूरण है दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।

हम हमारी पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए और वर्तमान के वातावरण को देखते हुए हमारे लिए अपने भविष्य व आने वाली पीढ़ी के भविष्य के लिए यह बहुत ही महत्वपूर्ण है कि बच्चों को एक सुदृढ़ चरित्र निर्माण व मजबूत सुनहरा भविष्य मिलें इसके लिए प्रयास करना चाहिए जिसके लिए हमें शिक्षा के साथ-साथ हमारे पारिवारिक, नैतिक सामाजिक, संस्कार शिक्षा आदर्श, प्राकृतिक सामाजिक दायित्व-कर्तव्य आदि का ज्ञान भी कराया जाये जिससे उनका समाज व पर्यावरण का भविष्य सुनहरा हो।

रेनु पाठक
तृतीय स्थान, निबंध प्रतियोगिता
हिन्दी पखवाड़ा 2025

राजभाषा कार्यान्वयन समिति

अध्यक्ष

प्रो. (डॉ.) कैलाश राव एम., निदेशक

सदस्य

प्रो. एन.आर. मण्डल, संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) एवं कुलसचिव (प्रभारी)
डॉ. श्वेता सक्सेना, सहायक प्राध्यापक एवं संकाय समन्वयक राजभाषा
डॉ. मोनिका सिंह, सहायक प्राध्यापक
सुश्री नितिका नेगी, सहायक प्राध्यापक
श्री सौरभ ओझा, सहायक प्राध्यापक
श्री अमित खरे, सहायक कुलसचिव (प्रवेश एवं परीक्षा)
श्री आशीष रंजन, छात्र (परिवहन योजना)
श्री कृपाणु रंजन शर्मा, छात्र (वास्तुकला)
डॉ. पल्लवी तिवारी, हिंदी अधिकारी (प्रभारी)
सुनील कुमार जायसवाल, हिंदी सहायक

सम्पादक मण्डल

डॉ. मुकेश पाठक, उप पुस्तकालयाध्यक्ष
डॉ. श्वेता सक्सेना, सहायक प्राध्यापक
डॉ. मोनिका सिंह, सहायक प्राध्यापक
सुश्री नितिका नेगी, सहायक प्राध्यापक
श्री अमित खरे, सहायक कुलसचिव
श्री आशीष रंजन, छात्र (परिवहन योजना)
श्री कृपाणु रंजन शर्मा, छात्र (वास्तुकला)
डॉ. पल्लवी तिवारी, हिंदी अधिकारी (प्रभारी)
श्री सुनील कुमार जायसवाल, हिंदी सहायक

पत्रिका के मुख पृष्ठ का अभिकल्पन

श्री सुनील कुमार जायसवाल, हिंदी सहायक
सुश्री नितिका नेगी, सहायक प्राध्यापक

योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल

राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

School of Planning and Architecture, Bhopal

An Institution of National Importance, MoE, Govt. of India